समाचार वाणी
खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

Bank Holiday: इस हफ्ते कई दिनों तक बंद रहेगें बैकं, सैलरी मे हो सकती है देरी

Sanket Morankar

Published on 30 Mar 2026

मार्च महीने के अंत और नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के बीच इस सप्ताह बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने वाला है। 30 मार्च से 5 अप्रैल 2026 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग कारणों से बैंक कई दिनों तक बंद रहेंगे, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

इस दौरान महावीर जयंती, अकाउंट क्लोजिंग डे, मौंडी थर्सडे और गुड फ्रायडे जैसे अवसरों के चलते बैंक शाखाएं कई स्थानों पर बंद रहेंगी। ऐसे में ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी बैंकिंग कार्य पहले ही निपटा लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बताया जा रहा है कि 31 मार्च को सैलरी जमा होने में देरी हो सकती है, क्योंकि इस दिन कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। वहीं 1 अप्रैल को 'अकाउंट्स क्लोजिंग डे' के कारण अधिकांश बैंक आम ग्राहकों के लिए बंद रहेंगे। इसके बाद 2 अप्रैल को भी कई जगहों पर अवकाश रहेगा और 3 अप्रैल को गुड फ्रायडे के चलते बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि वेतन 4 अप्रैल तक या फिर 6 अप्रैल तक खातों में जमा हो सकता है। इसलिए वेतनभोगी कर्मचारियों को सलाह दी गई है कि वे पहले से ही अपने खर्चों की योजना बना लें और पर्याप्त राशि अपने पास रखें।

हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जैसे इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी। ग्राहक इन माध्यमों से पैसे ट्रांसफर, बिल भुगतान और अन्य जरूरी कार्य आसानी से कर सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार, बैंक छुट्टियां अलग-अलग राज्यों में स्थानीय त्योहारों और विशेष अवसरों के आधार पर तय होती हैं। इसलिए जरूरी नहीं कि सभी राज्यों में एक ही दिन बैंक बंद रहें।

ऐसे में बेहतर होगा कि ग्राहक अपने शहर की बैंक छुट्टियों की जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें और जरूरी काम समय रहते पूरा कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की आर्थिक असुविधा से बचा जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.